A–0442

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL–301

कला में स्नातक (बी.ए.)

काव्य दर्शन एवं व्याकरण

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पं. अम्बिकादत्त व्यास के विषय में परिचय दीजिये।

अथवा

अनुमान प्रमाण पर प्रकाश डालिये।

2. निष्काम कर्मयोग से क्या समझते हैं ? इसका विस्तृत वर्णन कीजिये।

अथवा

न्यायदर्शन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. तर्कसंग्रह में वर्णित द्रव्य की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

गौरसिंह एवं शिवाजी के वार्ता प्रसंग का वर्णन कीजिये।

4. शिवराजविजय के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिये।

5. निम्नलिखित की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये :

(क) "अहो! प्रबुद्धो मुनिः! प्रबद्धो मुनि! इत एवाऽऽगच्छति, इत एवाऽऽगच्छति, सत्कार्योऽयम्, सत्कार्योऽयम्" इति तौ सम्भ्रान्तो बभूवतुः। अथ समापितसन्ध्यावन्दनादिक्रिये समायाते गुरौ, तदाज्ञया नित्य-नियम-सम्पादनाय प्रयाते गौरबटौ छात्रगण-सहकारेण प्रस्तुतासु च स्वागत-सामग्रीषु, 'इत आगम्यताम् सनाथ्यतामेष आश्रमः, इति सप्रणाममभिगम्यवदत्सु निखिलेषु, योगिराज आगत्य तन्निर्दिष्टकाष्टपीठं भास्वानिवोदयगिरिमारुरोह उपाविशच्च।

(ख) तस्मिन् पूज्यमाने, "योगिराडुत्थित" इति "आयात", इति च आकर्ण्य कर्णपरम्पराया बहवो जनाः परितः स्थिताः। सुघटितं शरीरम् सान्द्रां जटाम्, विशालान्यंगानि, अङ्गारप्रतिमे नयने, मधुरां गम्भीराञ्च वाचं वर्णयन्तश्चकिता इव सञ्जाताः।

अथवा

श्रीमद्भगवद्गीता की दार्शनिकता के महत्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सोमनाथ मन्दिर के विषय में परिचय दीजिये।

2. विराट यज्ञ चक्र का वर्णन कीजिये।

अथवा

गीता के रचनाकाल का निर्धारण कीजिये।

3. हेत्वाभास के भेदों को बताइए।

4. कर्तव्यविमुख अर्जुन को भगवान श्रीकृष्ण ने क्या उपदेश दिया ? वर्णन कीजिए।

अथवा

रामश्चिनोति इस प्रयोग का सूत्र सहित व्याख्या कीजिए।

5. आत्मा की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

6. यज्ञ की परिभाषा दीजिये।

7. तर्कसंग्रह में वर्णित द्रव्य की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

8. पदान्ताद्वा सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

****